काल

क्रिया के उस रूप को 'काल' कहते हैं , जिससे उसके करने या होने के समय तथा पूर्णता या अपूर्णता का ज्ञान होता है |

काल के भेद

1. भूतकाल (Past Tense)
2. वर्तमान काल (Present Tense)
3. भविष्यत काल (Future Tense)

1. भूतकाल – बीते समय में घटित क्रिया से भूतकाल का बोध होता है | जैसे –
वह लिखता था |
मोहन ने पढ़ा होगा |

2. वर्तमान काल – वर्तमान समय में होने वाली क्रिया से वर्तमान काल का बोध होता है | जैसे -
मैं खाता हूँ |
गीता पढ़ रही है |

3. भविष्यत काल – इससे भविष्य में किसी काम के होने का बोध होता है | जैसे –
तुम कल पढ़ोगे |
शायद वह कल आएगा |

भूतकाल के भेद – भूतकाल के छ: भेद होते हैं |

1. सामान्यभूत - क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का निश्चित ज्ञान न हो, उसे सामान्यभूत कहते हैं; जैसे –
सोहन गया |
राम ने खाना खाया |

2. पूर्ण भूत – क्रिया के जिस रूप से बीते समय में कार्य की समाप्ति का पूर्ण बोध होता है, उसे पूर्ण भूत कहते हैं; जैसे –
मैं खाना खा चुका था |
उसने राकेश को मारा था |

3. अपूर्ण भूत – क्रिया के जिस रूप से यह जाना जाए कि क्रिया भूतकाल में हो रही थी, लेकिन उसकी समाप्ति का पता न चले, उसे 'अपूर्णभूत' कहते हैं; जैसे –
भक्तों द्वारा पूजा की जा रही थी |
विद्या अपने गाँव जा रही थी |

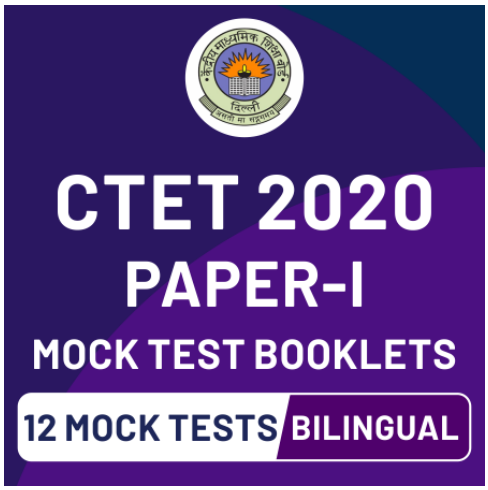

4. आसन्न भूत– क्रिया के जिस रूप से क्रिया के व्यापार का समय आसन्न (निकट) ही समाप्त समझा जाए, उसे आसन्न भूत कहते हैं; जैसे –

अंकुर बिहार से लौटा है |

मैं खाना खा चुका हूँ |

5. संदिग्ध भूत- क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में कार्य के पूर्ण होने या न होने में संदेह होता है, उसे संदिग्धभूत कहते हैं; जैसे –

श्याम ने खाना खाया होगा |

6. हेतुहेतुमद्भूत- क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया भूतकाल में होने वाली थी परन्तु किसी कारणवश नहीं हो सकी, उसे हेतुहेतुमद्भूत कहते हैं; जैसे –

यदि मोहन पढ़ाई करता तो परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाता |

वर्तमान काल के भेद– वर्तमान काल के तीन भेद हैं |

1. सामान्य वर्तमान– क्रिया का वह रूप जिससे वर्तमान काल में क्रिया का होना पाया जाए, सामान्य वर्तमान कहलाता है; जैसे–

वह लड़का पढ़ता है |

2. अपूर्ण वर्तमान– क्रिया के जिस रूप से वर्तमान काल में क्रिया की अपूर्णता का बोध होता हो, उसे अपूर्ण वर्तमान कहते हैं; जैसे–

माँ भोजन बना रही है |

3. संदिग्ध वर्तमान– क्रिया का वह रूप जिससे वर्तमान काल में क्रिया के होने में संदेह पाया जाए, उसे संदिग्ध वर्तमान कहते हैं; जैसे–

बच्चा रो रहा होगा |

भविष्यत् काल के भेद– भविष्यत् काल के तीन भेद हैं |

1. सामान्य भविष्यत्– क्रिया के जिस रूप से भविष्य में होने वाले कार्य के विषय में जानकारी हो अथवा यह व्यक्त हो कि क्रिया सामान्यत: भविष्य में होगी, उसे सामान्य भविष्यत् कहते हैं; जैसे –

खिलौना नहीं मिलने पर बच्चा रोएगा |

2. संभाव्य भविष्यत् काल– आने वाले समय में किसी क्रिया के होने की संभावना होने पर संभाव्य भविष्यत् काल होता है; जैसे–

शायद प्रधानमंत्री राजस्थान आएँगे |

3. हेतु हेतुमद् भविष्यत् काल– आने वाले समय में जब कोई एक क्रिया दूसरी पर निर्भर होकर संपन्न होगी तो उसे हेतु हेतुमद् भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे–

यदि तुम मेहनत करोगे तो सफलता प्राप्त करोगे |

TEACHERS adda247